दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 27 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, सोमवार, 27 मार्च 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com / e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

वन्दितासौम्यवलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्याद्देवी दानवघातिनी।।
या देवी सर्वभूतेषु माँ कात्यायनी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

ब्रांड मोदी से अलग छवि बनाने में सफल रहे हैं योगी

जमरानी बांध परियोजना को पी.आई.बी द्वारा

मूल्य- 2 रु.

भारत जोड़ो यात्रा करने वाला शहीद प्रधानमंत्री का बेटा कभी देश का अपमान नहीं कर सकता: प्रियंका

वाद्रा ने कहा कि समय आ गया है कि अहंकारी सरकार के खिलाफ आवाज उठाई जाए क्योंकि राहुल गांधी को चुनाव लडने से रोकना देश और लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को कहा कि देश जोडने के लिए हज़ारों किलोमीटर चलने वाला और शहीद प्रधानमंत्री का बेटा कभी भी देश का अपमान नहीं कर सकता। वहीं कांग्रेस ने पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ रविवार को देशव्यापी प्रदर्शन किया।

वाद्रा यहां महात्मा गांधी की समाधी राजघाट पर एक सभा को संबोधित कर रही थीं। राहुल गांधी को 2019 के एक आपराधिक मानहानि के मामले में सूरत की अदालत ने दोषी करार दिया था, जिसके बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया गया। वाद्रा ने कहा कि समय आ गया है कि अहंकारी सरकार के खिलाफ आवाज उठाई जाए क्योंकि राहुल गांधी को चुनाव लडने से रोकना देश और लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर सभी राज्यों और जिला मुख्यालयों पर एक दिन का सत्याग्रह कर रही है। गांधी को शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराया गया था। इससे एक दिन पहले सूरत की एक अदालत ने उन्हें मोदी उपनाम संबंधी बयान के मामले में दोषी करार दिया था। चार बार के सांसद 52 वर्षीय राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर अगर ऊपरी अदालत रोक नहीं लगाती है, तो वह आठ साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि उद्योगपति गौतम अडाणी को लेकर प्रधानमंत्री से सवाल पूछने के लिए राहुल गांधी को अयोग्य ठहराया गया है और जनता इस कार्वाई के लिए जिम्मेदार लोगों को करारा जवाब देगी। राजघाट के बाहर संकल्प सत्याग्रह में जमा हुए लोगों से वाद्रा ने कहा, मेरे परिवार ने खून से इस देश में लोकतंत्र को सींचा है। हम इस देश में लोकतंत्र के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। कांग्रेस के महान नेताओं ने इस देश में लोकतंत्र की नींव रखी है। अगर उन्हें लगता है कि वे हमें डरा सकते हैं, तो वे गलत हैं। हम नहीं डरेंगे। उन्होंने कहा, हम अब चुप रहने वालों में से नहीं हैं। वाद्रा ने पूछा कि क्या शहीद प्रधानमंत्री का बेटा देश का अपमान कर सकता है और कहा, यह उस प्रधानमंत्री का अपमान है जिसने अपना बलिदान दिया है। उन्होंने कहा, आपने एक शहीद के बेटे को देशद्रोही, मीर जाफर कहा, संसद में उसकी मां का अपमान किया। संसद में प्रधानमंत्री पूछते हैं कि यह परिवार नेहरू उपनाम का इस्तेमाल क्यों नहीं करता। आपने पूरे परिवार और कश्मीरी पंडितों की परंपरा का अपमान किया है। कांग्रेस नेता ने कहा, लेकिन आपके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं होता है या आपको दो साल की सज़ा नहीं मिलती है और आपको कोई अयोग्य नहीं ठहराता है।

अपने बयान पर माफी मांगने पर राहुल गांधी बोले-

मेरा नाम सावरकर नहीं गांधी है, गांधी माफी नहीं मांगता

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मानहानि के मामले में लोकसभा सदस्यता से अयोग्य करार दिए जाने के एक दिन बाद शनिवार को अपने किसी भी बयान के लिए माफी मांगने या खेद जताने से स्पष्ट इनकार करते हुए कहा, "मेरा नाम सावरकर नहीं है, मेरा नाम गांधी है, गांधी किसी से माफी नहीं मांगता।" राहुल गांधी ने राजधानी में कांग्रेस मुख्यालय पर विशेष रूप से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनके संसद की सदस्यता से अयोग्य किए जाने की कार्रवाई या उन्हें संसद में बोलने का मौका न दिए जाने का केवल एक कारण है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उद्यमी 'अदानी जी' के संबंधों पर उठ रहे सवाल से जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। कांग्रेस नेता ने कहा, "मैं संसद में रहूं या संसद के बाहर रहूं। मैं इस मुद्दे को उठाता रहूंगा और इससे पर्दा उठाकर ही रहूंगा।" राहुल गांधी ने गौतम अदानी के नेतृत्व वाले अदानी उद्योग समूह तथा कथित शेल कंपनियों में 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह पैसा अदानी का हो नहीं सकता, क्योंकि उनके कारोबार में इस स्तर की नकद कमाई नहीं होती। उन्होंने अदानी को 'भ्रष्ट' बताते हुए कहा कि यह पैसा जब भारत में ड्रोन और मिसाइल जैसे उद्योगों में लगाया गया है।

भाजपा का मजबूती से मुकाबला कर रहे क्षेत्रीय दलों का सहयोग करें राष्ट्रीय पार्टियां : अखिलेश

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्ष को एकजुट करने की मुहिम में शामिल समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय दलों को प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मजबूती से मुकाबला कर रहे क्षेत्रीय दलों का सहयोग करना चाहिए। यादव ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर अपने झूठे आंकड़ों को सही साबित करने के लिए एक विदेशी कंपनी को 200 करोड़ रुपए देने का आरोप भी लगाया। अखिलेश ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त किए जाने के खिलाफ उनकी पार्टी द्वारा पूरे देश में सत्याग्रह किए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा, मैं बधाई देना चाहता हूं कि वह सत्याग्रह और रफ्तार से मनाएं। उन्होंने एक अन्य सवाल पर राष्ट्रीय दलों को संदेश देते हुए कहा, सवाल राहुल गांधी के साथ सहानुभूति का नहीं बल्कि इस बात का है कि देश का लोकतंत्र और संविधान बचेगा कि नहीं। हम किसी दल को सहानुभूति नहीं दे सकते, लेकिन यह कह सकते हैं कि प्रदेश में जो मजबूती से भाजपा का मुकाबला कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में सरायकेला की स्नेहलता को किया नमन

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में सरायकेला-खरसावां जिले के रहने वाले अभिजीत से बात की। प्रधानमंत्री ने अभिजीत की 63वर्षीय दिवंगत मां वर्षीय स्नेहलता चौधरी को नमन करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। 63वर्षीय स्नेहलता चौधरी के अंगदान से चार लोगों को नया जीवन मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंगदान के लिए सबसे बड़ा जज्बा यही होता है कि जाते-जाते भी किसी का भला हो जाए, किसी का जीवन बच जाए। उन्होंने कहा कि जो लोग अंगदान का इंतजार करते हैं, वे जानते हैं कि इंतजार का एक-एक पल गुजरना, कितना मुश्किल होता है। और ऐसे में जब कोई अंगदान या देहदान करने वाला मिल जाता है, तो उसमें ईश्वर का स्वरूप ही नजर आता है। झारखंड की रहने वाली स्नेहलता चौधरी भी ऐसी ही थी। जिन्होंने ईश्वर बनकर दूसरों को जिन्दगी दी। 63 वर्ष की स्नेहलता चौधरी ने अपना हार्ट, किडनी और लीवर दान करके गई। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में उनके बड़े बेटे भाई अभिजीत चौधरी से भी बात की।

वनवेब इंडिया-2 मिशन के तहत 36 उपग्रह उनकी तय कक्षा में स्थापित: इसरो

श्रीहरिकोटा (भाषा)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को बताया कि एलवीएम3-एम3वनवेब इंडिया-2 मिशन के तहत 36 उपग्रहों को उनकी तय कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। इससे पहले, इसरो के सबसे भारी रॉकेट एलवीएम3 को ब्रिटेन की संचार कंपनी वनवेब के 36 उपग्रहों के साथ रविवार को प्रक्षेपित किया गया। ब्रिटेन की नेटवर्क एक्सेस एसोसिएट्स लिमिटेड (वनवेब ग्रुप कंपनी) ने पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में 72 उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के लिए इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ एक करार किया है। इस करार के तहत यह वनवेब के लिए दूसरा प्रक्षेपण था। वनवेब ग्रुप कंपनी के लिए पहले 36 उपग्रह 23 अक्टूबर 2022 को प्रक्षेपित किए गए थे। रविवार के प्रक्षेपण के साथ ही वनवेब द्वारा पृथ्वी की कक्षा में स्थापित उपग्रहों की संख्या बढ़कर 616 हो गई, जो इस साल वैश्विक सेवाएं शुरू करने के लिए पर्याप्त है। इसरो के 43.5 मीटर लंबे रॉकेट को 24.5 घंटे की उल्टी गिनती समाप्त होने के बाद चेन्नई से करीब 135 किलोमीटर दूर सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में दूसरे लॉन्च पैड से रविवार सुबह नौ बजे प्रक्षेपित किया गया। बाद में इसरो ने बताया कि 36 उपग्रहों को उनकी तय कक्षा में स्थापित करने के साथ ही एलवीएम3-एम3वनवेब इंडिया-2 मिशन पूरा हो गया। भारती एंटरप्राइसेस वनवेब समूह में बड़ी निवेशक है। वनवेब अंतरिक्ष से संचालित एक वैश्विक संचार नेटवर्क है जो सरकारों एवं उद्योगों को सम्पर्क की सुविधा मुहैया कराता है। रविवार का यह प्रक्षेपण वनवेब ग्रुप कंपनी का 18वां प्रक्षेपण था, जबकि इसरो के लिए 2023 का यह दूसरा प्रक्षेपण है।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल
uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

लोकसभा चुनाव में भगवा खेमे से एक और ब्यूरोक्रेट ताल ठोंकने की तैयारी में

उत्तर प्रदेश की नौकरशाही में आजकल एक आम चर्चा सुनने को मिल रही है। चर्चा इस बात कि है कि जल्द ही यूपी कैडर का एक नामित और चर्चित नौकरशाह जोकि कुछ ही माह में सेवानिवृत्त होने वाला है, वह जल्द ही राजनीति के मैदान में अपनी दूसरी 'पारी' शुरू कर सकता है। यह वही अधिकारी है जिसने सपा प्रमुख मुलायम सिंह के एक इशारे पर अखिलेश सरकार के समय लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे मात्र ढाई वर्षों में तैयार करा दिया था, जिस पर जगुआर जैसे फाइटर प्लेन तक की लैंडिंग कराई गई थी। यही नौकरशाह कोरोना काल में खादी विभाग के प्रमुख सचिव रहते आनन-फानन में पचास लाख खादी के मास्क तैयार कराने की महत्वाकांक्षी योजना को हकीकत में बदलकर योगी का विश्वास पात्र बन गया था, जबकि इस नौकरशाह को सपा का करीबी समझ कर मुख्यमंत्री योगी ने पहले हाशिये पर डाल रखा था और खादी विभाग जैसा कम महत्वपूर्ण महकमा सौंपा था। कोरोना के खिलाफ जंग में खादी का सुरक्षा कवच (मास्क) तैयार करने वाले इस ब्योरोक्रेट के चलते ही यूपी इसी काल खण्ड में रैपिड टेस्टिंग किट से कोविड-19 की जांच करने वाला पहला प्रदेश बन पाया था।

योगी ही नहीं सपा-बसपा और पूर्व की भाजपा सरकार के दौरान भी इस नौकरशाह का खूब सिक्का चला। कल्याण सिंह सरकार में इस नौकरशाह को फैजाबाद जैसे महत्वपूर्ण जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस दौरान यह अधिकारी अयोध्या में राम जन्मभूमि से जुड़े साधू-संतों के काफी करीब आ गया। यह अधिकारी लखनऊ जैसे महत्वपूर्ण जिले में डीएम रहा। 2007 में बसपा सरकार बनने पर केन्द्र से पांच आईएएस यूपी लौटे जिनमें से एक नाम इस अधिकारी का भी शामिल था। यह अधिकारी अपने नाम से नहीं, काम के चलते सुर्खियां बटोरता है। सरकार किसी भी पार्टी की हो, यह अपना काम पूरी ईमानदारी से करता मिल जाता है। इस अधिकारी के बारे में यहां तक कहा जाता है, "जहां रहेगा वहीं रोशनी लुटाएगा, किसी चराग का अपना मकां नहीं होता।'' यह अधिकारी और कोई नहीं पंजाब में जन्मे और 1988 बैच के यूपी कैडर के अधिकारी नवनीत सहगल हैं जो कुछ माह बाद 31 जुलाई 2023 को रिटायर होने वाले हैं। सहगल को सेवा विस्तार मिलने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है, ऐसा इसलिए है क्योंकि सहगल भी अब 'नौकरशाही' छोड़कर 'राजशाही' का स्वाद चखना चाहते हैं। आईएएस नवनीत सहगल के बारे में कहा जा रहा है कि ब्यूरोक्रेसी से सेवानिवृत होने के बाद वह भी अन्य कुछ नौकरशाहों की तरह भगवा रंग में रंग सकते हैं। इस बात या चर्चा में इसलिए दम भी लगता है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से यह देखने में आ रहा है कि बीजेपी आलाकमान पूर्व नौकरशाहों को केन्द्र और राज्यों की राजनीति में लाकर अपनी केन्द्र और राज्यों की सरकारें चलाने के लिए इनके अनुभव का खूब फायदा उठा रहा है। इस कड़ी में कई नौकरशाहों के नाम गिनाए जा सकते हैं। वैसे नौकरशाहों का राजनीति से प्रेम नया नहीं है। इसकी शुरुआत करीब 70 वर्ष पूर्व हो गई थी, जब 1952 में फैजाबाद के जिलाधिकारी केकेके नायर (आईसीएस जो अब आईएएस कहलाते हैं) रिटायर्ड होने के बाद जनसंघ में शामिल हो गए थे। हाल फिलहाल में 2022 के विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही कानपुर के कमिश्नर असीम अरुण ने वीआरएस के लिए आवदेन किया तो प्रवर्तन निदेशालय के जॉइंट डायरेक्टर राजेश्वर सिंह का भी वीआरएस आवदेन स्वीकार कर लिया गया। अब दोनों बीजेपी से विधायक और मंत्री भी हैं।

ब्रांड मोदी से अलग छवि बनाने में सफल रहे हैं योगी

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल का भी एक वर्ष पूरा कर लिया है। 25 मार्च 2022 को योगी ने जब दूसरी बार प्रदेश की कमान संभाली थी उसके बाद से आज तक यूपी में काफी कुछ बदल गया है। एक तो सबसे लंबे समय तक यूपी का मुख्यमंत्री बने रहने का रिकॉर्ड उनके नाम हो गया है दूसरे चुनावी वायदों को पूरा करने में भी योगी सरकार प्रतिबद्ध नजर आ रही है। योगी ने 36 साल बाद प्रदेश में दोबारा सरकार बनाने का रिकॉर्ड तोड़ा तो पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय संपूर्णानंद के बाद राज्य में सबसे लंबे समय तक लगातार मुख्यमंत्री रहने का कीर्तिमान भी बना दिया। हालांकि कानून व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर विपक्ष आरोप लगाता रहता है, लेकिन भ्रष्टाचार के मामले में योगी सरकार का दामन अभी भी पाक-साफ नजर आ रहा है।

योगी सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने से एक दिन पूर्व 24 मार्च को वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी योगी सरकार की खूब पीठ थपथपा के यह साबित कर दिया कि उनके और योगी के बीच अच्छा सांमजस्य बना हुआ है। आज योगी ने प्रेस कांफ्रेंस करके अपनी सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की, लेकिन विपक्ष को यूपी में सब कुछ हरा-हरा नजर नहीं आ रहा है। खासकर अपराध के मामले में विपक्ष योगी सरकार से ज्यादा ही उखड़ा हुआ है। उसे लगता है कि योगी सरकार अपराध के नाम पर एक वर्ग विशेष के लोगों को निशाना बना रही है। उधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव आरोप लगाते हुए कहते हैं कि क्या बेरोजगारी कम हुई है, किसानों की आय दो गुनी हो गई है, किसानों को गन्ने का भुगतान मिल रहा है, गैस का सिलेंडर सस्ता हो गया है, मां गंगा-यमुना कितनी साफ हुई हैं? उनका कहना है कि न ही वायदे के अनुसार छात्रों को लैपटॉप या स्कूटी मिली है।

बहरहाल, योगी सरकार की मानें तो बीजेपी द्वारा विधानसभा चुनाव 2022 के समय जारी किए गए संकल्प पत्र के 130 में से 110 वादे या तो पूरे कर दिए गए हैं या अमल के लिए निर्णय हो चुका है। 33.50 लाख करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव लाने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन ने योगी सरकार के लिए बूस्टर का काम किया तो जी-20 समिट और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के पर्यटन मंत्रियों की बैठक ने योगी की छवि वैश्विक स्तर पर मजबूत की। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 10 खरब डॉलर तक ले जाने का रोडमैप भी इसी एक वर्ष में तैयार किया गया है। यह सब तब हुआ जब योगी सरकार कुछ चुनौतियों से भी जूझ रही थी।

पिछली बार की तरह इस बार भी अपराधियों और माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई ने सीएम की बुलडोजर बाबा की छवि को बरकरार रखा। मगर, प्रयागराज में दिनदहाड़े गोलीबारी और गवाह हत्याकांड ने इस छवि पर आंच पहुंचाई है। मुख्यमंत्री लगातार संवेदनशील शासन-प्रशासन पर जोर देते रहे हैं। पर, कानपुर देहात में मां-बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में जल कर हुई मौत पर अफसरशाही के रवैये ने एहसास कराया कि संवेदनशीलता के पैमाने पर अभी बहुत कुछ करना बाकी है।

राजनैतिक मोर्चे पर बात की जाये तो योगी सरकार ने एक वर्ष में तीन लोकसभा और दो विधानसभा उपचुनावों का सामना किया। इसमें सियासी तौर पर अहम रामपुर व आजमगढ़ लोकसभा तथा रामपुर विधानसभा सीट (आजम को तीन साल की सजा के बाद सदस्यता जाने से रिक्त सीट) जीत ली। मैनपुरी लोकसभा सीट सपा बरकरार रखने व मुजफ्फरनगर की खतौली सीट सपा की सहयोगी रालोद जीतने में सफल रही। इसी बीच स्वार के विधायक अब्दुल्ला आजम (आजम के बेटे) की सदस्यता रद्द हो गई।

इसके साथ ही सरकार ने सपा के मुस्लिम चेहरा रहे आजम के सियासी किले को ध्वस्त कर उन्हें परिवार सहित चुनावी परिदृश्य से बाहर ढकेलने जैसी अकल्पनीय सफलता हासिल की। मगर, खतौली विधानसभा क्षेत्र की अपनी जीती हुई सीट की हार ने सरकार के लिए पश्चिम यूपी में नए समीकरण की चिंता बढ़ा दी। खतौली सीट भाजपा विधायक विक्रम सैनी को मुजफ्फरनगर दंगों में दो साल की सजा होने के कारण खाली हुई थी।

उत्तराखंड प्रहरी

कविता

प्रमुख देवियां हरिद्वार की ....

प्राचीन नाम है मायापुरी इसका,हरिद्वार नाम से जो जग में विख्यात।
हरिद्वार की प्रमुख देवियों को नमन कर,रूबरू करता उनका व्याख्यान...
मां मायादेवी अधिष्ठात्री देवी है यहां सुशोभित,करती भक्तों का जो सदा कल्याण।
निर्मल बहती मां गंगा की धारा,करती कष्ट और पापों का विनाश।
बिल्व पर्वत की शिवालिक पहाड़ियों पर,मां मनसा देवी का निवास।
नील पर्वत मां चंडी विराजे,दूजी ओर हनुमंत मां अंजनी रानी।
मां सती का धाम है कनखल,संग विराजे इनके मां शीतला रानी।
चंडी घाट की है शोभा निराली ,यहां विराजे मां दक्षिणेश्वरी काली।
पश्चिम शिवालिक पर्वत श्रृंखलाओं में देखो,मां सुरेश्वरी देवी की छवि प्यारी।
बिल्वकेश्वर स्थित गौरी कुण्ड में स्नान कर देखो,काया हो जाती अजब न्यारी।।

सचिन बेदी अधिवक्ता , हरिद्वार

दुर्गाष्टमी : पूजा से पाएं अपार शक्ति

दुर्गाष्टमी का हिंदू धर्म में बड़ा ही महत्त्व है। प्रत्येक माह में शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर दुर्गाष्टमी व्रत किया जाता है। इसे मासिक दुर्गाष्टमी भी कहते हैं। इस दौरान श्रद्धालु दुर्गा माता की पूजा करते हैं और उनके लिए पूरे दिन का व्रत करते हैं। मुख्य दुर्गाष्टमी, जिसे महाष्टमी कहा जाता है, आश्विन माह में नौ दिन के शारदीय नवरात्र उत्सव के दौरान पड़ती है। दुर्गाष्टमी को दुर्गा अष्टमी और मासिक दुर्गाष्टमी को मास दुर्गाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। भगवती दुर्गा को उबाले हुए चने, हलवा-पूरी, खीर, पुए आदि का भोग लगाया जाता है। इस दिन देवी दुर्गा की मूर्ति का मंत्रों से विधिपूर्वक पूजन किया जाता है। बहुत-से व्यक्ति इस महाशक्ति को प्रसन्न करने के लिए हवन आदि भी करते हैं। शक्तिपीठों में इस दिन बहुत उत्सव मनाया जाता है।

महत्त्व

चैत्र शुक्ल अष्टमी का अत्यंत विशिष्ट महत्त्व है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नवरात्र पूजा का जो आयोजन प्रारंभ होता है, वह आज ही के दिन या दूसरे दिन नवमी को पूर्णता प्राप्त करता है। आज के दिन ही आदिशक्ति भवानी का प्रादुर्भाव हुआ था। भगवती भवानी अजेय शक्तिशालिनी महानतम शक्ति हैं और यही कारण है कि इस अष्टमी को महाष्टमी कहा जाता है। महाष्टमी को भगवती के भक्त उनके दुर्गा, काली, भवानी, जगदम्बा, नवदुर्गा आदि रूपों की पूजा-आराधना करते हैं। प्रतिमा को शुद्ध जल से स्नान कराकर वस्त्राभूषणों द्वारा पूर्ण श्रृंगार किया जाता है और फिर विधिपूर्वक आराधना की जाती है।

हवन की अग्नि जलाकर धूप, कपूर, घी, गुग्गुल और हवन सामग्री की आहुतियां दी जाती हैं। सिंदूर में एक जायफल को लपेटकर आहुति देने का भी विधान है। धूप, दीप, नैवेद्य से देवी की पूजा करने के बाद मातेश्वरी की जय बोलते हुए 101 परिक्रमाएं दी जाती हैं। कुछ क्षेत्रों में गोबर से पार्वती जी की प्रतिमा बनाकर पूजने का विधान भी है। वहां इस दिन कुमारियां तथा सुहागिनें पार्वती जी की गोबर निर्मित प्रतिमा का पूजन करती हैं। नवरात्रों के पश्चात इसी दिन दुर्गा का विसर्जन किया जाता है। इस पर्व पर नवमी को प्रातःकाल देवी का पूजन किया जाता है। अनेक पकवानों से दुर्गाजी को भोग लगाया जाता है। छोटे बालक-बालिकाओं की पूजा करके उन्हें पूड़ी, हलवा, चने और भेंट दी जाती है।

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

गणेश शंकर विद्यार्थी का बलिदान पत्रकारिता सहित समाज के लिए आज भी प्रासंगिक

25 मार्च 1931 को कानपुर में हुए हिन्दू-मुस्लिम दंगे में निस्सहायों को बचाते हुए अपना बलिदान दिया।

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। हिंदी पत्रकारिता के पितामह पत्रकार, स्वतंत्र सैनानी गणेश शंकर विद्यार्थी के बलिदान दिवस पर प्रेस क्लब हरिद्वार में नेशनल युनियन ऑफ जर्नलिस्ट (इंडिया) उतराखंड हरिद्वार इकाई के पदाधिकारियों द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत गणेश शंकर विद्यार्थी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। साथ ही देश की आजादी में उनकी लेखनी के योगदान एवं संघर्षों के बारे में प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूरण सिंह राणा उप जिलाधिकारी हरिद्वार ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के साथ-साथ समाज का आइना भी है जो हमें समाज में घटित चीजों को दिखाता है।

गणेश शंकर विद्यार्थी के विषय में उन्होंने कहा कि हर समाज का व्यक्ति उन्हें फरिश्ता के नाम से पुकारता था। उनकी कार्यशैली ही ऐसी थी कि हर समाज के व्यक्ति ने उन्हें सम्मान दिया।कहा की जीवन संघर्ष, मेहनत व ईमानदारी से ही किसी कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एनयूजेआई के संरक्षक पी.एस. चौहान ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी एक निडर और निष्पक्ष पत्रकार तो थे साथ ही साथ समाजसेवी स्वतंत्रता सेनानी एवं कुशल राजनीतिज्ञ भी थे। पत्रकारिता के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य करने के कारण उन्हें पांच बार सश्रम कारागार और अर्थ दण्ड भी दिया गया था।

उन्होंने 25 मार्च 1931 को कानपुर में हुए हिन्दू-मुस्लिम दंगे में निस्सहायों को बचाते हुए अपना बलिदान दिया। कार्यकारी अध्यक्ष शिवा अग्रवाल ने कहा कि कलम की ताकत हमेशा से ही तलवार से अधिक रही है और ऐसे कई पत्रकार हैं जिन्होंने अपनी कलम से सत्ता तक की राह बदल दी है। गणेश शंकर विद्यार्थी भी ऐसे ही पत्रकार रहे हैं जिन्होंने अपने कलम की ताकत से अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी। संचालन जिला महामंत्री सन्दीप रावत ने किया। इस मौके पर जिला सूचना अधिकारी प्रमोद तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार आदेश त्यागी, प्रेस क्लब अध्यक्ष श्रवण झा, महामंत्री अश्वनी अरोड़ा, गढ़वाल मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष बालकृष्ण शास्त्री, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामचंद्र कन्नौजिया, काशीराम सैनी, अमित कुमार शर्मा,दीपक, नौटियाल, संदीप शर्मा, देवेंद्र शर्मा, जयपाल सिंह,शिव कुमार शर्मा, राव रियासत पुंडीर, राजकुमार, सुनील कुमार मिश्रा, विकास चौहान, महावीर नेगी, सुनील कुमार, शैलेंद्र सिंह ठाकुर,आशीष मिश्रा, सुमित यशकल्याण, नीरज छाछर, सचिन कुमार, पुलकित शुक्ला, अनूप कुमार, डॉ. हिमांशु द्विवेदी सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे।

नकली सोना बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

खड़खड़ी चौकी प्रभारी खेमेंद्र गंगवार के नेतृत्व वाली टीम ने आरोपियों को दबोचा

हरिद्वार। ज्वेलर्स की दुकान चलाने वाले व्यापारी को नकली सोना बेचकर दो लाख की टप्पेबाजी करने वाले गिरोह के महिला सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से नकली सोने के 13 अदद पेंडल बरामद किया है। प्रत्येक का वजन 10 ग्राम है। तीनों आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, अनुज श्याम रस्तोगी पुत्र श्याम नारायण रस्तोगी निवासी नई बस्ती भीमगोड़ा ने तहरीर देकर बताया कि उनकी नई बस्ती भीमगोड़ा स्थित न्यू रस्तोगी ज्वेलर्स नामक दुकान पर दो पुरुष व एक महिला आए। जिन्होंने कारोबारी को विश्वास में लेकर सोने के आभूषण बेचने की बात कही इसके बाद महिला ग्रुप में भी पेंडल खरीदने की बात तय हुई लेकिन 200000 कारोबारी ने तीनों व्यक्तियों को दे दिए बाद में संदेह होने पर उसने आभूषणों की सही से जांच की जिसमें वह नकली निकल कर सामने आए धोखाधड़ी का शिकार हुए व्यापारी ने पुलिस को अवगत कराया जिसके बाद पुलिस तुरंत आरोपियों की धरपकड़ में जुट गई। शहर कोतवाली प्रभारी भावना कैंथोला ने खड़खड़ी चौकी प्रभारी खेमेंद्र सिंह गंगवार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। कुछ ही घंटों के अंदर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। शहर कोतवाली प्रभारी भावना कैंथोला ने बताया कि लीला भोपा पुत्र सामन्ता लाल निवासी ग्राम मस्तपुर थाना मण्डी गोविन्द गढ जिला अलवर राजस्थान उम्र50 वर्ष, सोनू भोपा पुत्र रामस्वरुप निवासी ग्राम विगास मोड़ थाना सदर दौसा गिन्ना दौसा राजस्थान उम्र लगभग 28 वर्ष, अभियुक्ता सावत्री देवी पत्नी धर्मवीर भोपा निवासी ग्राम राणोली थाना दोसा सदर जिला दोसा राजस्थान उम्र 35 वर्ष को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया है। अभियुक्ताणों के कब्जे से 13 अदद पेडल पीली धातु (नकली सोने के) प्रत्येक का वजन 10-10 ग्राम है। पुलिस टीम में खड़खड़ी चौकी प्रभारी खेमेन्द्र गंगवार, हेड कांस्टेबल हरेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार, महिला कांस्टेबल भारती रावत रहे।

'जन जन का है यह संदेश, नशा मुक्त हो अपना प्रदेश'

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। आज राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्रा इकाई एस.एम.जे.एन (पी.जी) कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई ने प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी, कॉलेज प्राचार्य प्राचार्य प्रोफेसर डॉ सुनील कुमार बत्रा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ संजय कुमार माहेश्वरी एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुषमा नयाल के निर्देशन में नशा मुक्ति पर एक रैली का आयोजन किया गया, रैली का प्रारंभ शिविर स्थल श्रवण नाथ मठ, मोती बाजार से शुरू होकर परियोजना क्षेत्र रोड़ी बेलवाला क्षेत्र से होते हुए श्री निरंजनी अखाड़ा चरण पादुका पर समपन्न हुआ

आज शिविर के दूसरे दिन भ्रमण एवं जन जागरूकता हेतु इस रैली का आयोजन किया गया, विशेष शिविर के दूसरे दिवस के अंतर्गत आयोजित की गई नशा मुक्ति विषय पर हुई रैली में छात्राओं ने ₹नशे को दूर भगाना है खुशहाली को बुलाना है₹, ₹जन जन का है यह संदेश नशा मुक्त हो अपना प्रदेश₹ आदि नारों से जागरूक करने का प्रयास करते हुए समाज को एक सार्थक संदेश दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना की इस रैली में महाविद्यालय से डा वंदना, योगेश्वरी, वैभव बत्रा, साहीन, रचना गोस्वामी, कमल नेगी, सुशील कुमार आदि शिक्षक एवं स्वयं सेविकाओं के रूप में सलोनी, प्रियांशी, लक्ष्मी, प्रेरणा, तनीषा, आरती, प्रिया, ममता, दीपांशी, स्वाति, रवीना वैशाली, गरिमा, हेमा, निशी गंगा, रूपाली, ममता आदि मौजूद थे। कार्यक्रम समाप्त होने पर नगर मैजिस्ट्रेट नूपुर वर्मा ने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना की कन्या पूजन एवं नारी सम्मान समारोह में छात्राओं ने अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से शमां बांध दिया।

अमित शाह के हरिद्वार दौरे को लेकर प्रशासन ने कसी कमर, उच्च शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। डॉ0 धन सिंह रावत, मा0 मंत्री, उच्च शिक्षा, विद्यालयी शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, सहकारिता, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा ने रविवार को ऋषिकुल मैदान का मा0 गृह मंत्री, सहकारिता मंत्री भारत सरकार अमित शाह के दिनांक 31 मार्च, 2023 के दौरे के क्रम में निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये । उन्होंने इसके बाद ऋषिकुल विद्यापीठ छात्रावास का भी निरीक्षण किया तथा वहाँ की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया । निरीक्षण के पश्चात मा0 कैबिनेट मंत्री ने डामकोठी में गृह मंत्री, सहकारिता मंत्री भारत सरकार अमित शाह के दिनांक 31 मार्च, 2023 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम के संबंध में अधिकारियों के साथ एक बैठक ली1 बैठक में कहाँ पार्किंग होगी, कहाँ मंच बनेगा, क्या-क्या व्यवस्था रहेगी आदि के संबंध विस्तृत विचार विमर्श किया गया तथा आयोजित होने वाले कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाऐं चाक चौबंद करने के निर्देश अधिकारियों दिये 1 इस अवसर पर सचिव सहकारिता डा0 बी0वी0आर0सी0 पुरुषोत्तम, अपर सचिव आलोक कुमार पांडेय, जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय, वरिष्ठ पुलिस आधीक्षक अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप गोयल, विकास तिवारी, एडीएम बीर सिंह बुदियाल, एसडीएम पूरण सिंह राणा, ए आर कोआपरेटिव राजेश, ई ई लोक निर्माण सुरेश तोमर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे ।

एनएच की अनुमति की आड़ में खनन माफिया कर रहे हैं अवैध भराव

गौरव कुमार,उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

परमिशन कहीं और की और जेसीबी खोदकर कहीं और किया जा रहा मिट्टी अवैध खनन

हरिद्वार। खनन माफिया जिला प्रशासन को ठेंगा दिखाकर एनएच की अनुमति की आड़ में जमकर मिट्टी का खनन कर रहे हैं। अनुमति एनएच के नाम पर ली गई है। जबकि विभिन्न देहात इलाकों में मिट्टी का भराव किया जा रहा है। यही नहीं मिट्टी खोदने की अनुमति निर्धारित स्थान से ली गई है। लेकिन इसके अलावा जगह-जगह जेसीबी चलाकर भूमि को खोदकर मिट्टी को उठाया जा रहा है।

बिना रवाने के वाहनों में लादकर मिट्टी को ढोने का भी कार्य किया जा रहा है। लेकिन जिला प्रशासन और खनन विभाग मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहा है। देखने वाली बात यह है कि क्या प्रशासन इसमें संज्ञान लेकर कार्रवाई करेगा। जानकारी के मुताबिक पथरी थाना क्षेत्र के

डांडी चौक के पास एनएच की अनुमति की आड़ में मिट्टी का अवैध खनन जोरों शोरों से किया जा रहा है। एनएच की परमिशन की आड में मिट्टी का खनन कर हाईवे की जगह सराय, इक्कड, धनपुरा पीठ बाजार, गांव झाबरी सहित विभिन्न क्षेत्रों में मिट्टी डालने का काम धड़ल्ले से किया जा रहा है। एनएच की मिट्टी की परमिशन 5235 घन मीटर की जानकारी निकलकर सामने आई है लेकिन विभाग ने अभी तक भी कोई भी जांच नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि परमिशन कहीं और की है और जगह-जगह जेसीबी चलाकर मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है यही नहीं बिना रवाने के वाहनों में खनन सामग्री भरकर ओवरलोड वाहन सड़कों पर दौड़ाये जा रहे हैं। लेकिन पुलिस और प्रशासन का ध्यान इस तरफ बिल्कुल भी नहीं है। खनन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जहां-जहां भी माल डाला जा रहा है। सोमवार को इसकी जांच करेंगे। जिसके बाद आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

अमृतपाल सिंह और उसके साथियों की तलाश को लेकर उत्तराखंड पुलिस अलर्ट

रूद्रपुर (उत्तराखंड)। खालिस्तान समर्थक और 'वारिस पंजाब दे' संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह और उसके साथियों की तलाश को लेकर ऊधमसिंह नगर जिले की पुलिस 'अलर्ट' है. एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस और खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के बाद राज्य पुलिस विशेषकर जिले की नेपाल से लगी सीमा और उत्तर-प्रदेश से लगे रामपुर, पीलीभीत और बरेली जिले की सीमाओं पर सघन जांच अभियान चला रही है. हर आने-जाने वाले सरकारी और निजी वाहनों की जांच की जा रही है तथा धार्मिक स्थलों पर भी निगाह रखी जा रही है। पुलिस अधीक्षक (नगर) मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे धार्मिक स्थलों एवं वाहनों की तलाशी का अभियान चलाया जा रहा है. नेपाल सीमा पर भी आने-जाने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

कोतवाली नगर पुलिस ने किया नकली सोना बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

13 अदद पेडल पीली धातु (नकली सोने के) के साथ तीन अभियुक्तों को धर दबोचा

हरिद्वार। कोतवाली नगर मे वादी मुकदमा अनुज श्याम रस्तोगी पुत्र श्री श्याम नारायण रस्तोगी निवासी नई बस्ती भीमगोड़ा हरिद्वार ने तहरीर दी की वादी की नई बस्ती भीमगोड़ा स्थित न्यू रस्तोगी ज्वेलर्स नामक दुकान पर दो पुरुष व एक महिला द्वारा धोखाधड़ी पूर्वक नकली सोने के पेंडेंट देकर 200000 रुपये हड़पकर धोखाधड़ी की गती है।

जिस संबंध में थाना हाजा पर मु0अ0सं0 217/23 धारा 420, 406 आईपीसी पंजीकृत किया गया ! घटना के अनावरण हेतु प्रभारी निरीक्षक महोदय के निर्देशन में गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए वादी मुकदमा के साथ धोखाधड़ी करने वाले दो पुरुष एक महिला को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों को समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है । अभियुक्तगणों के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पता

1. अभि0 लीला भोपा S/O सामन्ता लाल निवासी ग्राम मस्तपुर थाना मण्डी गोविन्द गढ जिला अलवर राजस्थान उम्र50 वर्ष

2- अभि0 सोनू भोपा S/O रामस्वरुप निवासी ग्राम विगास मोड़ थाना सदर दौसा गिन्ना दौसा राजस्थान उम्र लगभग 28 वर्ष,

3- अभियुक्ता सावत्री देवी W/O धर्मवीर भोपा निवासी ग्राम राणोली थाना दोसा सदर जिला दोसा राजस्थान उम्र 35 वर्ष।

बरामदगी

अभियुक्तगणों के कब्जे से 13 अदद पेडल पीली धातु (नकली सोने के) प्रत्येक का वजन 10-10 ग्राम बरामद होना

पुलिस टीम

1. उ0नि0 खेमेन्द्र गंगवार
2. हे0का0 211 हरेन्द्र सिंह
3. हे0का0 320 जितेन्द्र कुमार
4. म0का0 87 भारती रावत

कोच नरेंद्र शाह के कथित वायरल ऑडियो के मामले में गंभीरता से जांच के लिए महिला आयोग ने दिए आदेश

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। क्रिकेटर एसोशिएशन ऑफ उत्तराखंड के महिला जूनियर क्रिकेटर के संयोजक व पर्वतीय क्रिकेट एसोशिएशन चमोली के सचिव नरेन्द्र शाह के कथित वायरल ऑडियो के मामले में महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने संज्ञान लेते हुए वायरल ऑडियो की गहराई व गंभीरता से जांच के आदेश दिए है। महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने इस प्रकरण में डीआईजी पी रेणुका से बात की है जिस पर पी रेणुका का कहना है क्रिकेटर कोच नरेंद्र शाह अभी तक वेंटिलेटर पर थे, अब वेंटिलेटर से बाहर आये है जैसे ही कुछ बताने वाली स्थिति में आएंगे पुलिस उससे पूछताछ करेगी, अभी पुलिस को ना ही वह वायरल ऑडियो मिला और ना ही कोई प्रमाण।

महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने कहा है कि इस मामले में महिला आयोग को भी परिजनों की ओर से कोई शिकायत नही मिली है ना ही पुलिस को किसी परिजन द्वारा शिकायत दी गयी है। मगर किसी भी बेटी के साथ इस तरह से होता है या बेटी को कथित रूप से गुमराह कर उसका शोषण किया जाएगा या किसी कोच द्वारा किसी भी महिला खिलाड़ी से अश्लील या अभद्र भाषा मे बात करने का प्रयत्न किया जाए तो इसमें पुलिस सख्ती से कार्यवाही करें। कुसुम कण्डवाल ने बताया पूर्व में महिला आयोग ने भी एक कार्यशाला के माध्यम से जानकारी दी थी कि कोच का प्रक्षिणार्थियों के प्रति व्यहवार या बरताव कैसा हो। इसको उत्तराखंड की बेटियों के लिए, मुख्य रूप से जो पहाड़ की बेटियाँ हैं उनके लिए इस कार्यशाला को आयोजित किया था। बेटियों में अनेकों प्रतिभा हैं खेल में आगे बढ़ना चाहती हैं ऐसे में यदि उनके साथ कोच द्वारा किस प्रकार का शोषण किया जाता है तो बेटियों को भी खुलकर विरोध करना चाहिए तथा ऐसे मामलों में पुलिस को सख्ताई से कड़ी कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य की बेटियों के साथ यदि इस प्रकार की घटना होगी तो महिला आयोग बर्दाश्त नही करेगा। इसी लिए उक्त मामले में जल्द से जल्द जांच की जाए।

जमरानी बांध परियोजना को पी.आई.बी द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में शामिल करने को लेकर मिली स्वीकृति

देहरादून। जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में शामिल करने को पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड वित्त मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। प्रदेश की महत्वपूर्ण जमरानी बांध परियोजना को पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड (पी.आई.बी.) द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में शामिल करने के लिए स्वीकृति दी गईं है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुरोध पर पूर्व में जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत सम्मिलित करने की स्वीकृति जल शक्ति मंत्रालय द्वारा गठित स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में प्रदान की गई थी। अब वित्त मंत्रालय की पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड द्वारा इसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में शामिल करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

लोगों की कमी के बावजूद NIC में 2014 से लगभग 1,400 नए पदों को नहीं मिली मंजूरी

नई दिल्ली। इस सप्ताह पेश की गई संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर संसदीय स्थायी समिति की एक रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) में लगभग 1,400 नए पदों का प्रस्ताव 2014 से लंबित है. यदि इसे स्वीकृति मिल जाती है, तो यह कदम सरकार की सूचना और प्रौद्योगिकी शाखा में संसाधनों और जनशक्ति के लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने में मदद करेगा।

स्थायी समिति की रिपोर्ट के अनुसार, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (डीआईओ) और अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारी (एडीआईओ) के स्तर की तकनीकी जनशक्ति को तैनात करने की आवश्यकता को पूरा करने के लिए राज्यों में बने नए जिलों में एनआईसी ने 2022 में 212 नए पद बनाने के लिए एक अलग प्रस्ताव भी पेश किया था. एनआईसी में संसाधनों और जनशक्ति के मुद्दों को हल करने के लिए किए गए उपायों पर स्थायी समिति के सवाल के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) की प्रतिक्रिया का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है, "1,407 नए पदों का प्रस्ताव (बाद में 1,392 पर फिर से काम किया गया)) 2014 से मंजूरी के लिए लंबित है."

जनशक्ति की कमी इस तथ्य पर विचार करते हुए और भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि एनआईसी केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, साथ ही आखिरी व्यक्ति तक नागरिकों को सरकारी सेवाओं की उपलब्धि सुनिश्चित करता है.

1,392 नौकरियों की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछे जाने पर, रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि मंत्रालय ने अपने सबमिशन में कहा है कि प्रस्ताव को इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री द्वारा "सभी स्तरों पर उचित विचार-विमर्श के बाद" मंजूरी दी गई थी और सहमति के लिए वित्त मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया था.

वित्त मंत्रालय ने कुछ बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगने के बाद प्रस्ताव वापस कर दिया था, जिसकी अब एक आंतरिक समिति द्वारा जांच की गई है. विस्तृत स्पष्टीकरण के साथ प्रस्ताव फरवरी 2020 में MeitY के माध्यम से वित्त मंत्रालय को फिर से प्रस्तुत किया गया था, रिपोर्ट में MeitY के हवाले से यह बात कही गयी है.

MeitY ने समिति को सूचित किया, "वित्त मंत्रालय ने फिर से कुछ टिप्पणियां की हैं और अतिरिक्त जानकारी मांगी है. फिर से प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक इनपुट संकलित किए जा रहे हैं." इसके अतिरिक्त, एनआईसी ने 2022-23 में भर्ती एजेंसी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एनआईईएलआईटी) के माध्यम से वैज्ञानिक और तकनीकी सहायकों के स्तर के 754 पदों के लिए एक भर्ती अभियान भी शुरू किया था, जो सेवानिवृत्ति, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना, इस्तीफे और मृत्यु, प्रत्याशित रिक्तियों के कारण उत्पन्न हुई रिक्तियों के उलट था. मंत्रालय ने यह बात कही है।

देश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में एक-तिहाई पति और रिश्तेदारों की क्रूरता से जुड़े :एमओएसपीआई

नई दिल्ली। भारत में 'महिला सुरक्षा' पर चर्चाएं आमतौर पर सार्वजनिक स्थानों पर यौन उत्पीड़न, शोषण और अन्य तरह के अपराधों के खतरों पर केंद्रित होती हैं. खासकर अगर वे अविवाहित हैं या फिर प्रेम संबंधों में हैं तो और भी ज्यादा खतरा होने की आशंका जताई जाती है, खासकर हाई-प्रोफाइल श्रद्धा वाल्कर और निक्की यादव जैसे मामलों के मद्देनजर. हालांकि, अपराध से जुड़े आंकड़े एक दूसरी ही डरावनी और अक्सर अनदेखी कर दी जाने वाली कहानी बयां करते हैं।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की तरफ से किए गए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के विश्लेषण के मुताबिक, 2016 से 2021 के बीच महिलाओं के खिलाफ लगभग हर तीन में से एक अपराध उसके पति और/या उसके रिश्तेदार की 'क्रूरता' से जुड़ा था. इस माह के शुरू में एमओएसपीआई की 'वीमेन एंड मेन इन इंडिया 2022' रिपोर्ट में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि पति और उनके रिश्तेदारों की तरफ से क्रूरता देश में महिलाओं के खिलाफ हिंसा का सबसे आम रूप है। 2016 से 2021 के बीच 6 साल की अवधि में देश में भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध के करीब 22.8 लाख मामले दर्ज हुए. रिपोर्ट में बताया गया है कि इनमें से लगभग 7 लाख यानी करीब 30 प्रतिशत भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत दर्ज किए गए थे।

धारा 498ए किसी महिला के खिलाफ पति या उसके रिश्तेदारों की क्रूरता से संबंधित हैं. इसमें 'क्रूरता' को किसी ऐसे इरादतन आचरण के रूप में परिभाषित किया गया है जिससे 'महिला के आत्महत्या जैसा कदम उठाने या गंभीर चोट पहुंचने अथवा किसी शारीरिक अंग या स्वास्थ्य (चाहे मानसिक या शारीरिक) के लिए खतरा उत्पन्न होने की संभावना हो.' इसके अलावा क्रूरता को 'महिला के उत्पीड़न.किसी भी संपत्ति या मूल्यवान चीज के लिए किसी भी गैरकानूनी मांग को पूरा करने के लिए उसे या उससे संबंधित किसी भी व्यक्ति को मजबूर किए जाने या उसके या उससे संबंधित किसी व्यक्ति के ऐसी मांग पूरी करने में नाकाम रहने पर प्रताड़ित किए जाने' से जोड़कर भी देखा जाता है।

इंजीनियरिंग और तकनीकी कॉलेज खोलने पर लगी अस्थाई रोक शैक्षणिक सत्र 2023-24 से होगी समाप्त

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने गुरुवार को घोषणा की है कि नये इंजीनियरिंग, तकनीकी कॉलेज खोलने पर लगी अस्थाई रोक शैक्षणिक सत्र 2023-24 से समाप्त हो जाएगी। तकनीकी शिक्षा नियामक एआईसीटीई ने पाठ्यक्रम में दाखिले की घटती संख्या को देखते हुए नये इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने पर शैक्षणिक सत्र 2020-21 से दो वर्ष के लिए रोक लगा दी थी. एआईसीटीई ने नये मंजूर दिशा-निर्देशों में कहा कि नये इंजीनियरिंग, तकनीकी कॉलेज खोलने पर लगी अस्थाई रोक को शैक्षणिक सत्र 2023-24 से हटा लिया जाएगा, हालांकि नये इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान खोलने के संबंध में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप बहु-विषयक पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाले आवेदकों को तरजीह दी जाएगी। सत्र 2023-24 के लिए मंजूरी प्रक्रिया पुस्तिका पेश करते हुए एआईसीटीई ने कहा कि तकनीकी कार्यक्रमों के लिए एआईसीटीई से मंजूरी लेने को इच्छुक वर्तमान संस्थानों को उनके सभी तकनीकी कार्यक्रमों के लिए मंजूरी लेनी होगी।

रोग-प्रतिरोधी आलू, फोर्टिफाइड केले - 2 और जीएम फसलों को सरकार की मंजूरी, इस साल ट्रायल

नई दिल्ली। सरसों के बाद भारत दो और जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) फसलों – केले और आलू का ट्रायल शुरू करने के लिए तैयार है. शायद यह बायोटेक-संवर्धित खेती के एक नए युग की शुरुआत है। पिछले कुछ महीनों में जेनेटिक इंजीनियरिंग एप्रेजल कमेटी (GEAC) ने रबड़ और कपास की नई किस्मों सहित कई जीएम फसलों के फील्ड परीक्षणों के लिए अनुमति दी है. 2022 में जीएम कपास को मंजूरी दिए जाने के बाद से यह क्षेत्र लगभग दो दशकों तक धीमी गति से आगे की ओर बढ़ रहा था. लेकिन हाल-फिलहाल में इसमें काफी तेजी देखने को मिली है। हालांकि, परीक्षणों को कागजों पर तो मंजूरी मिल चुकी है, फिर भी जीएम फसलों के लिए बढ़ते विरोध की आशंका डरा रही है कि कहीं यह ट्रायल बीच में ही न लटक जाएं।

शिमला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) के संजीव शर्मा ने कहा 'फसल की सुरक्षा को

लेकर चिंता होना स्वाभाविक है. हमारे पास अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, इसलिए कार्यकर्ताओं को अपने मुद्दे उठाने का अधिकार है. लेकिन फसल खाने के लिए सुरक्षित है या नहीं, यह बताने के लिए सबूत और डेटा प्रदान करना एक वैज्ञानिक का काम है.' शर्मा जीएम आलू की फसल पर काम कर रहे हैं। शर्मा साल 2005 से आलू की एक ऐसी किस्म विकसित करने पर काम कर रहे हैं जो लेट ब्लाइट नामक फंगल डिजीज से लड़ सके। 'लेट ब्लाइट' फाइटोफ्थोरा इन्फेस्टान्स रोगाणु की वजह से होता है. यह टमाटर और सोलेनेसी परिवार के अन्य पौधों में होने वाली बीमारी है. इसमें मिर्च और बैंगन भी शामिल हैं. पौधों को लगने वाली ये बीमारी ठंडे, गीले मौसम में तेजी से फैलती है और आलू की फसल को काफी नुकसान पहुंचा सकती है. भारत में आलू सबसे महत्वपूर्ण फसलों में से एक है और 'लेट ब्लाइट' आलू उत्पादकों के लिए एक बड़े चिंता का विषय है. आईसीएआर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लेट ब्लाइट से आलू की पैदावार में 50 फीसदी तक का नुकसान हो सकता है। यह बीमारी आलू को इंसानी उपभोग या प्रॉसेसिंग के लिए अनुपयुक्त भी बना सकती है. इसकी वजह से किसानों को आगे चलकर आर्थिक नुकसान का सामना भी करना पड़ जाता है। आईसीएआर के आंकड़ों के अनुसार, भारत में लेट ब्लाइट के कारण औसत वार्षिक नुकसान कुल उत्पादन का 15 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया है. यह बीमारी पूरे देश में फैली हुई है, लेकिन मैदानी क्षेत्रों की तुलना में पहाड़ी क्षेत्रों में नुकसान कहीं ज्यादा होता है. क्योंकि यहां वर्षा आधारित परिस्थितियों में फसल उगाई जाती है। शर्मा ने बताया, 'गेहूं और चावल के बाद आलू दुनिया की तीसरी सबसे महत्वपूर्ण खाद्य फसल है. भारत में इस फसल को 2.2 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता है और इसका लगभग 53 मिलियन मीट्रिक टन वार्षिक उत्पादन होता है।

खेल महाकुंभ- ग्रामीण भारत के युवाओ का IPL, जो युवा महिलाओं के सपनों को दे रहा उड़ान

नई दिल्ली। जब भी खेलों की बात होती है तो भारत में प्रतिभा कमी नहीं मिलती लेकिन अपना टैलेंट दिखाने वाले प्लेटफॉर्म्स की कमी दिखती है. जब मैं छोटी थी तो मेरी भी बहुत से सपने थे, लेकिन मैं समझती थी कि बिना किसी प्लेटफॉर्म के वो सिर्फ सपने ही रह जाएंगे. अब मैं देखती हूं कि खेलो इंडिया के तहत आने वाले खेल महाकुंभ जैसी पहले किस तरह ग्राउंड लेवल पर बदलाव ला रही हैं। साल 2018 में, खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए हिमाचल प्रदेश में खेल महाकुंभ की शुरुआत की. लेकिन तब से इसका विस्तार बिहार, उत्तर प्रदेश, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के गांवों तक हो गया है. इस विषय पर मेरी रिसर्च से पता चला कि कम से कम 200 सांसद अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इस 'खेल महाकुंभ' का आयोजन कर रहे थे.

लो-मिडल क्लास परिवारों से आने वाली छोटी बच्चियों के सपनों को इस तरह के मंचों से उड़ान मिलती हैं. हम जैसे घरों से आने वाले बच्चों के लिए स्कॉलरशिप इतना आसानी से नहीं आती हैं. और हमें उन अवसरों का फायदा उठाने के लिए दोगुनी मेहनत करनी पड़ती है जिनके हम हकदार हैं. ये संघर्ष और कड़े तब हो जाते हैं जब खेल जैसे पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्रों की बात आती है. कई लोगों के लिए, दंगल (कुश्ती) प्रेरणादायक हो सकता है, लेकिन लड़कियों के लिए, उनके माता-पिता का संघर्ष- यहां तक कि फिल्म दंगल (2016) में भी- उन्हें उनके सपनों से दूर करने के लिए काफी है. 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं' के बाद नरेंद्र मोदी सरकार खेल महाकुंभ और खेलो इंडिया जैसी पहलों के साथ कदम आगे बढ़ा रही है. पिछले महीने, गुजरात और बिहार की अपनी रिपोर्टिंग यात्रा के दौरान, मैंने युवा खिलाड़ियों में इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने की ललक देखी।

"मुझे दौड़ना पसंद है, लेकिन मेरे माता-पिता सपोर्ट नहीं करते थे. जब स्कूल में किसी ने मुझे 'खेल महाकुंभ' के बारे में बताया तो मैंने अपने परिवार से कहा कि मैं भी इसमें भाग लूंगी. कुछ मशक्कत के बाद, मेरे पिता मान गए." माला बिहार के रामनगर की रहने वाली हैं. उनका सपना है कि वो एक स्प्रिंटर बनें.लेकिन बिना मार्गदर्शन और समर्थन के अपने सपने को आगे नहीं बढ़ा सकती. माला जैसी युवा लड़कियों को अक्सर स्कूल की प्रतियोगिताओं में पीछे छोड़ दिया जाता है, जहां आमतौर पर प्रशासन महिलाओं को उनकी पसंद का खेल चुनने में मदद नहीं करता है।फरवरी में, बिहार के दानापुर की ख़ुशी कुमारी ने भारोत्तोलन में खेलो इंडिया का स्वर्ण पदक जीता और उन्हें पुरस्कार राशि के रूप में 10,000 रुपये दिए गए. कुमारी ने जूते खरीदने की अपनी लंबे समय से चली आ रही इच्छा को पूरा करने के लिए इनका इस्तेमाल किया. एक फल बेचने वाले की बेटी, अपने दोस्तों से उधार लिए गए जूतों में दौड़ती थी. लेकिन यह पहली बार नहीं था जब उसने खेलो इंडिया प्रतियोगिता में भाग लिया था – कुमारी ने पिछले साल इंदौर में खेलो इंडिया प्रतियोगिता में भी भाग लिया था, जहां वह चौथे स्थान पर रही थी।

बिहार में- जहां राजनीतिक बहस अक्सर बुनियादी सुविधाओं पर अटकी रहती है-नीतीश कुमार सरकार 33 जिलों में खेलो इंडिया केंद्र खोलने की योजना बना रही है. यहां युवा खिलाड़ियों को बेहतर ट्रेनिंग के लिए उपकरण मिलेंगे. इसके अलावा, प्रत्येक केंद्र को सुविधाएं बनाए रखने के लिए सालाना 5 लाख रुपये दिए जाएंगे।

नीतू और स्वीटी बूरा ने रचा इतिहास, गोल्डन पंच लगाकर बनी विश्व चैंपियन

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडल विजेता नीतू घंगघस (48 किग्रा) और अनुभवी मुक्केबाज स्वीटी बूरा (81 किग्रा) महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में अलग अलग अंदाज में जीत से विश्व चैम्पियन बनीं और इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। नीतू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगोलिया की लुतसाईखान अल्तानसेतसेग को 5-0 से हराकर न्यूनतम वजन वर्ग का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। स्टेडियम में बीजिंग ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और नीतू के आदर्श विजेंदर सिंह भी मौजूद थे। स्वीटी ने लाइट हेवीवेट वर्ग में चीन की वांग लिना की चुनौती से पार पाते हुए 4-3 से जीत हासिल की और भारत को दोहरी सफलता दिलाई। दिन के पहले मुकाबले में भिवानी की 22 वर्षीय मुक्केबाज नीतू ने आक्रामक शुरूआत की, पहले राउंड में वह 5-0 से आगे थी। दूसरे राउंड में उन्होंने सीधे मुक्के जड़े। अल्तानसेतसेग ने जब जवाबी हमला किया तो इस भारतीय मुक्केबाज ने अपनी प्रतिद्वंद्वी से अच्छा बचाव किया। दोनों मुक्केबाज करीब होकर खेल रही थी और एक दूसरे को जकड़ रही थी जिसमें दूसरे राउंड के अंत में नीतू पर 'पेनल्टी' से अंक कांट लिए गए। दूसरे राउंड में मंगोलियाई मुक्केबाज की मजबूत वापसी के बावजूद नीते इसे 3-2 से अपने हक में करने में सफल रही। फिर अंतिम तीन मिनट में नीतू ने दूर से शुरूआत की और अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए फिर करीब से खेलने लगीं जिसमें अल्तानसेतसेग का भी प्रतिद्वंद्वी को जकड़ने के लिए एक अंक काट लिया गया। अंत में भारतीय मुक्केबाज विजेता रहीं। पहले तीन मुकाबले आरएससी (रैफरी द्वारा मुकाबला रोकना) से जीतने वाली नीतू ने पूरे टूर्नामेंट में दबदबे भरा प्रदर्शन किया।

अतंरराष्ट्रीय

भारतीय अमेरिकी गायकवाड़ फ्लोरिडा के विश्वविद्यालय के न्यासी मंडल में पुनः नियुक्त

वाशिंगटन, (भाषा)। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसांटिस ने प्रभावशाली भारतीय अमेरिकी व्यवसायी दिग्विजय 'डैनी' गायकवाड़ को फ्लोरिडा के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के न्यासी मंडल में शुक्रवार को पुनः नियुक्त किया। गवर्नर के कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''गवर्नर रॉन डीसांटिस ने दिग्विजय ''डैनी'' गायकवाड़ को 'यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल फ्लोरिडा' के न्यासी मंडल में फिर से नियुक्त करने की घोषणा की।'' ओकाला निवासी गायकवाड़ एनडीएस यूएसए के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। इसके अलावा वह डैनी जी मैनेजमेंट के संस्थापक, डैनी डेवलपमेंट एंड इंवेस्टमेंट के संस्थापक और डीजी हॉस्पिटैलिटी के मालिक हैं।

गायकवाड़ का जन्म वडोदरा में हुआ था। उनके पिता एक न्यायाधीश और दादा भारतीय सेना में कर्नल थे। उन्होंने वडोदरा स्थित सयाजीराव गायकवाड़ विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में स्नातक की डिग्री ली। वह अपनी पत्नी मनीषा के साथ 1987 में अमेरिका आ गए थे।

वॉशिंगटन में भारतीय दूतावास पर खालिस्तानी हमले की साजिश विफल

वॉशिंगटन। अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास में खालिस्तानी हमले की बड़ी साजिश विफल हो गई है। बता दें कि खालिस्तानी समर्थकों के एक समूह ने भारतीय दूतावास में हिंसा भड़काने की कोशिश की और अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू को अपशब्द भी कहे। हालांकि अमेरिकी पुलिस और खूफिया विभाग की तत्परता से बड़ी घटना होने से टल गई।

अलगाववादी सिखों का एक समूह शनिवार को वॉशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के बाहर इकट्ठा हुआ। इस दौरान कई अलगाववादी नेताओं ने समूह को संबोधित किया और भारत के खिलाफ आग उगली। इस दौरान भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू को अपशब्द कहे गए। हालांकि घटना के वक्त भारतीय राजदूत, दूतावास में मौजूद नहीं थे। इस दौरान कट्टरपंथी लोग भीड़ को दूतावास पर हमले के लिए उकसाते दिखे।

घटना को कवर कर रहे पत्रकारों का कहना है कि खालिस्तानी प्रदर्शनकारी अपने साथी लाठी-डंडे भी लाए थे और उन्हें प्रदर्शनकारियों ने नजदीक के एक पार्क में रखा हुआ था। इससे साफ है कि प्रदर्शनकारी भारतीय दूतावास पर हमले

और तोड़फोड़ की तैयारी से वहां पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों की कोशिश थी कि सैन फ्रांसिस्को और लंदन की तरह भारतीय दूतावास पर हमला किया जाए और तिरंगे का अपमान किया जाए। हालांकि पुलिस की तत्परता से खालिस्तानी अपने मंसूबे में सफल नहीं हुए।

खालिस्तानियों के मंसूबे की भनक अमेरिकी खूफिया एजेंसियों को लग गई। जिसके बाद तुरंत खूफिया विभाग के अधिकारी, भारी संख्या में पुलिस और सुरक्षाबलों के जवान भारतीय दूतावास पहुंच गए और दूतावास को सुरक्षा घेरे में ले लिया। इस दौरान कुछ कट्टरपंथियों ने दूतावास के अंदर दाखिल होने की कोशिश की तो पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें चेतावनी देकर वहां से जाने को कह दिया। जिस तरह से खालिस्तानी भीड़ को उकसा रहे थे, उससे हालात नियंत्रण से बाहर हो सकते थे लेकिन पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

छोटी खबरें

सारस के दोस्त आरिफ की मुश्किलें बढ़ीं, अब वन विभाग ने भेजा नोटिस, पूछताछ के लिए बुलाया

अमेठी। राजकीय पक्षी सारस से दोस्ती कर चर्चा में आए आरिफ को वन विभाग ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम का हवाला देते हुए नोटिस जारी कर तलब किया है। संतोषजनक जवाब ना मिलने पर वन विभाग आरिफ के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। उधर, सारस का नया ठिकाना कानपुर प्राणि उद्यान बन गया है। शनिवार देर शाम नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान लखनऊ के डाक्टर और कर्मचारियों की निगरानी में सारस को समसपुर पक्षी विहार से कानपुर लाया गया और 15 दिन के लिए क्वारंटीन कर दिया गया।

अमेठी जिले के मंडखा निवासी आरिफ सारस से दोस्ती कर सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर चुके हैं। सारस और आरिफ की दोस्ती को करीब से जानने के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव पिछली पांच मार्च को आरिफ के घर पहुंच गए और तस्वीरों के जरिए उन्होंने यह जानकारी ट्विटर के जरिए साझा की। यहीं से आरिफ के लिए मुश्किलें शुरू हो गईं। नौ मार्च को उप प्रभागीय वनाधिकारी ने आरिफ को नोटिस जारी कर दिया। अभी नोटिस आरिफ तक पहुंची नहीं थी कि मुख्य वन संरक्षक के आदेश पर 21 मार्च को राजकीय पक्षी सारस को आरिफ से अलग कर रायबरेली के समसपुर पक्षी बिहार पहुंचा दिया गया। आरिफ इस दर्द से उबर भी नहीं पाए थे कि अब वन विभाग के गौरीगंज रेंज के सहायक वनरक्षक रणवीर मिश्र की तरफ से जारी नोटिस सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। पूरे मामले की जांच सहायक वन संरक्षक रणवीर मिश्र को दी गई है। रणवीर मिश्र ने आरिफ को नोटिस जारी कर पूछतांछ के लिए दो अप्रैल 11 बजे अपने कार्यालय में तलब किया है। पूरे मामले को लेकर सहायक वनरक्षक रणवीर मिश्र ने बताया कि मोहम्मद आरिफ को वन विभाग की तरफ से एक नोटिस जारी की गई है।

कोरोना के बढ़ते मामलों पर केंद्र अलर्ट; एडवायजरी जारी, 10-11 अप्रैल को देश भर में होगी मॉक ड्रिल

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोविड-19 और मौसमी इन्फ्लुएंजा के मामले बढ़ने लगे हैं। इस बीच सरकार अस्पतालों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए 10 और 11 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल की योजना बना रही है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि सभी जिलों के सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की स्वास्थ्य इकाइयां इस मॉकड्रिल में भाग लेंगे। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि 27 मार्च को होने वाली वर्चुअल मीटिंग में मॉक ड्रिल के सटीक विवरण के बारे में राज्यों को जानकारी दी जाएगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण और ICMR के महानिदेशक डॉ राजीव बहल द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि फरवरी के मध्य से देश में COVID-19 मामलों में क्रमिक लेकिन निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। इस समय, देश में अधिकांश कोरोना मामले केरल (26.4 प्रतिशत), महाराष्ट्र (21.7 प्रतिशत), गुजरात (13.9 प्रतिशत), कर्नाटक (8.6 प्रतिशत) और तमिलनाडु (6.3 प्रतिशत) जैसे कुछ राज्यों द्वारा रिपोर्ट किए जा रहे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा शनिवार को जारी एक संयुक्त एडवाइजरी में कहा गया है कि पिछले कई हफ्तों में कुछ राज्यों में COVID-19 की टेस्टिंग में गिरावट आई है। साथ ही यह भी पाया गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा निर्धारित मानकों की तुलना में वर्तमान में परीक्षण स्तर अपर्याप्त हैं। इसको देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और ICMR ने सभी राज्यों को कोरोना जांच में बढ़ावा देने और लक्षणों की जानकारी देने के लिए भी कहा है।

मॉकड्रिल में शामिल हों सभी जिलों की स्वास्थ्य इकाइयां

इसके अलावा कोरोना के बढ़ते मामलों से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मॉकड्रिल में सभी राज्यों को शामिल होने के लिए भी कहा गया है। अप्रैल की 10 और 11 तारीख को होने वाली मॉकड्रिल में आईसीयू बेड, मेडिकल इक्विपमेंट्स, ऑक्सीजन और मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह

इसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के परामर्श के मुताबिक लोगों को कोविड के लिए तय सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही लोगों से भीड़भाड़ और बंद स्थानों में मास्क पहनने की सलाह दी है। साथ ही इसमें बार-बार साबुन से हाथ धोने और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचने की सलाह दी गई है।

आज बीते 146 दिन में सबसे ज्यादा केस मिले

गौरतलब है कि देश में शनिवार को कोरोना के 1,590 नए मामले दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़ा बीते 146 दिन में सबसे ज्यादा हैं। आज मिले कोरोना के नए मामलों के बाद कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 8,601 हो गयी है। वहीं, देश में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,47,02,257 हो गयी है। साथ ही कोरोना से मरने वालों संख्या बढ़कर 5,30,824 हो गई है। शनिवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना संक्रमण की दैनिक दर 1.33 प्रतिशत दर्ज की गई है वहीं साप्ताहिक संक्रमण दर 1.23 प्रतिशत हो गई है।

इन्फ्लुएंजा और श्वसन बीमारी के मामलों पर भी नजर रखने का निर्देश

इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी (ILI) और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (SARI) मामलों और उसके कारणों पर भी कड़ी नजर रखने के लिए कहा है। इस समय देश में इन्फ्लुएंजा के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मौसमी महामारी के साथ कोविड-19 के सह-संक्रमण के प्रबंधन के लिए पहले ही विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। साथ ही सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सलाह दी गई है कि वे क्लिनिकल केस मैनेजमेंट में मदद करने के लिए राज्य के भीतर सभी स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य कर्मियों को इन दिशानिर्देशों का प्रसार करें।

महाराष्ट्र में कोरोना के 437 नए मामले

स्वास्थ्य विभाग ने एक बुलेटिन में कहा कि महाराष्ट्र में शनिवार को कोरोना के 437 नए मामले दर्ज किए गए, जो पिछले दिन की तुलना में 94 अधिक हैं।

राज्य में कोरोनोवायरस से संबंधित दो मौतें भी दर्ज की गईं। औरंगाबाद और कोल्हापुर जिलों में एक-एक मौत दर्ज की गई। राज्य में मृत्यु दर 1.82 प्रतिशत है। इसके बाद महाराष्ट्र में कोविड-19 मामला बढ़कर 81,41,457 हो गया और मरने वालों की संख्या 1,48,435 हो गई। शुक्रवार को राज्य में 343 नए मामले और तीन मौतें दर्ज की गई थीं। वहीं, शुक्रवार शाम से शनिवार को बुलेटिन जारी होने तक 242 मरीज कोरोना वायरस संक्रमण से ठीक हो चुके हैं।

तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा ने मंगोलियाई बच्चे को बनाया बौद्ध धर्म का तीसरा सबसे बड़ा गुरु

मकलोडगंज। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने चीन को 440 वोल्ट का झटका दिया है और अमरीका में पैदा हुए एक मंगोलियाई बच्चे को बौद्ध धर्म में तीसरे सबसे महत्त्वपूर्ण आध्यात्मिक नेता के पुनर्जन्म के रूप में नामित किया गया है। दलाईलामा का यह कदम चीन को चिढ़ाने वाला है और माना जा रहा है, कि उन्होंने अपने इस कदम से भारत-चीन विवाद में मंगोलिया को भी खींच लिया है। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में एक समारोह के दौरान आठ साल के मंगोलियन लडक़े को दलाईलामा ने बौद्ध धर्म का तीसरा सबसे बड़ा गुरु नामित किया है और उनकी तस्वीर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। आपको बता दें, कि तिब्बती धर्मगुरु और 87 साल के दलाईलामा धर्मशाला में निर्वासन में रहते हैं और भारत और चीन के बीच दलाईलामा को लेकर अकसर विवाद होता रहता है।

मंगोलियाई मूल का आठ साल का यह लडक़ा अब दलाईलामा और पंचेन लामा के बाद बौद्ध धर्म का तीसरा सबसे बड़ा गुरु बन गया है। दलाईलामा ने इस लडक़े को 10वें खलखा जेटसन धम्पा रिनपोछे का पुनर्जन्म होने के तौर पर मान्यता दी है। मंगोलियाई मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है, कि यह बच्चा जुड़वां लडक़ों में से एक है, जिसका नाम अगुइदाई और अचिल्टाई अल्टानार है, जो अलतनार चिंचुलुन और मोनखनासन नमंदख के बेटे हैं। बच्चे के पिता अलतनार चिंचुलुन एक विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर और राष्ट्रीय संसाधन समूह की सीईओ हैं। लडक़े की दादी, गरमजाव सेडेन मंगोलियाई संसद की पूर्व सांसद रह चुकी हैं।

ओएमआर शीट भरने वाले चपरासी गिरफ्तार, एक ही पेन से भर दी थी दोनों अभ्यार्थियों की शीटें

शिमला। जेओए आईटी पोस्ट कोड 939 के पेपर में अभ्यार्थियों की ओएमआर शीट भरने के आरोपी चपरासियों को विजिलेंस ने शनिवार देर शाम को गिरफ्तार किया है। विजिलेंस की जांच में खुलासा हुआ था कि पूर्व में कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर में तैनात दो चपरासी किशोरी लाल और मदन लाल ने दो उम्मीदवारों की ओएमआर शीट के साथ छेड़छाड़ की और उन्हें चयनित होने में मदद की थी। जांच में खुलासा हुआ था कि आरोपियों ने एक ही पेन से दोनों अभ्यार्थियों की ओएमआर शीटें भरी थी। एफएसएल की जांच में दोनों शीटों पर एक ही इंक मिली है। आरोपी किशोरी लाल कर्मचारी चयन आयोग की सिक्रेसी ब्रांच में तैनात था, जबकि दूसरा चपरासी मदन लाल आयोग की अन्य ब्रांच में तैनात था, जिन अभ्यार्थियों की ओएमआर शीट भरी गई, उनमें एक प्रत्याशी मदनलाल का बेटा है और एक उसका पड़ोसी है। ओएमआर शीट से छेड़छाड़ करने के आरोप में विजिलेंस ने कर्मचारी चयन आयोग के दो चपरासियों समेत चार लोगों के खिलाफ

एफआईआर दर्ज की है। विजिलेंस ने जेओए आईटी पोस्ट कोड 965 के पेपर लीक मामले की एफएसएल की जांच के आधार पर मामला दर्ज किया है। जेओए आईटी पोस्ट कोड 939 का पेपर, जो 24 फरवरी, 2022 को आयोजित किया गया था। विजिलेंस की जांच में पता चला है कि पूर्व में कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर में तैनात दो चपड़ासी किशोरी लाल और मदन लाल ने दो उम्मीदवारों की ओएमआर शीट के साथ छेड़छाड़ की और उन्हें चयनित होने में मदद की। एक प्रत्याशी मदनलाल का बेटा है और एक उसका पड़ोसी है। इसी कोड में उमा आजाद की भतीजी और दो अन्य लोगों ने असाधारण रूप से उच्च अंक हासिल किए हैं। विजिलेंस ने इस मामले में कर्मचारी चयन आयोग के चपरासी मदन लाल और किशोरी लाल और विशाल चौधरी पुत्र मदन लाल निवासी बाग डाकघर मनहीन, तहसील खुंडियां, जिला कांगड़ा एवं दिनेश कुमार पुत्र धरम चंद, निवासी बाग, डाकघर मझीन, तहसील खुंडियां, जिला कांगड़ा के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गुणातीत संन्यासी ही शीर्ष संन्यासी है : साहब दादा

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

संन्यास दीक्षा महोत्सव-2023, पाँचवा दिन

साधु निर्भार, निर्द्वन्द्व रहकर श्रीमद्भगवद्गीता के दैवीय सम्पद को अपने आचरण में जीते हैं : स्वामी रामदेव

स्वामी रामदेव जी महाराज का जीवन ही हम सबके लिए शास्त्र है : आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार। दस दिवसीय संन्यास दीक्षा महोत्सव में आज पाँचवे दिन अनुपम मिशन, गुजरात के साहब दादा जी ने भावी संन्यासियों को संन्यास धर्म की मर्यादा का पाठ सिखाया। कार्यक्रम में स्वामी रामदेव जी महाराज व आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने साहब दादा को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर साहब दादा ने कहा कि प्रसन्नता का विषय है कि 100 से अधिक भाई-बहन पूज्य स्वामी रामदेव जी शिष्यत्व में संन्यास की दीक्षा लेने जा रहे हैं। स्वामी जी के नेतृत्व में नारायणी सेना में भर्ती बढ़ती जा रही है।

उन्होंने कहा कि संन्यास परम्परा में गुणातीत संन्यासी शीर्ष संन्यासी माना जाता है। स्वामी जी गुणातीत संन्यासी के अनुरूप सांसारिकता व भौतिकता से परे हैं। उन्होंने भावी संन्यासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप ऐसे गुरु के सान्निध्य में दीक्षित हो रहे हैं जिनकी आज्ञा मात्र में रहने से ही हठ, इर्ष्या, अहंकार आदि दोष दूर हो जाते हैं और आप भीतर से संन्यासी हो जाते हैं।

इस अवसर पर स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि साधु निर्भार, निर्द्वन्द्व रहकर श्रीमद्भगवद्गीता के दैवीय सम्पद को अपने आचरण में जीते हैं। ऐसा ही श्रेष्ठ जीवन साहब दादाजी जी रहे हैं। ऐसे दैवीय सम्पद सम्पन्न, गुणातीत, भावातीत महापुरुष का दर्शन और उनकी अहेतु की प्रीति आज हमको प्राप्त हो रही है। स्वामी जी ने बताया कि साहब दादा 84 वर्ष की अवस्था में प्रतिदिन योग-प्राणायाम करते हैं।

कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने कहा कि पूज्य स्वामी जी महाराज का जीवन ही हम सबके लिए शास्त्र है। पुरुषार्थ, आध्यात्मिकता, कर्मठता, कर्म आदि की बात हो या हमारी शास्त्र मर्यादा की बात, पूज्य स्वामी जी महाराज ने हर क्षेत्र में आदर्श स्थापित किए हैं। आप सब संकल्प के साथ पूज्य स्वामी जी द्वारा बताए पथ पर बढ़ने के लिए संकल्पित होकर अपने जीवन को अर्पण करने जा रहे हैं, इससे बड़ी कोई बात नहीं हो सकती। जीवन का मोह और आग्रह बहुत खतरनाक होता है। जो मरणासन्न होता है, उसमें भी एक पल जीने की इच्छा रहती है। पर जब हम समर्पित हो जाते हैं तो जीवन-मरण, सुख-दुःख के लिए प्रयास की बात नहीं रहती, वहाँ तो बस समर्पण शेष रहता है।

सायंकालीन सत्र में गुजरात की सुप्रसिद्ध भजन गायिका गीता रैवारी जी 'सनातन संगीत महोत्सव' में अपने मधुर स्वर से भजनों की प्रस्तुति देंगी।

कार्यक्रम में भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष श्री एन.पी. सिंह, श्री अजय आर्य, बाबू पद्मसेन आर्य, महिला मुख्य केन्द्रीय प्रभारी साध्वी देवप्रिया जी, आचार्यकुलम् की निदेशिका बहन ऋम्भरा शास्त्री, क्रय समिति अध्यक्षा बहन अंशुल, संप्रेषण विभाग प्रमुख बहन पारूल, मुख्य केन्द्रीय प्रभारी भाई राकेश कुमार 'भारत', डॉ. जयदीप आर्य, स्वामी परमार्थदेव, स्वामी आर्षदेव, स्वामी विदेहदेव, स्वामी ईशदेव, स्वामी जगतदेव, स्वामी सहदेव व सभी वरिष्ठ उपस्थित रहे।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने एक अभिनव बचत उत्पाद - 'आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड' किया लॉन्च

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड लॉन्च किया है, जो ग्राहकों को उनकी विविध आय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक अतिरिक्त आय स्ट्रीम बनाने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक अभिनव दीर्घकालिक बचत उत्पाद है। आजीवन आय की गारंटी प्राप्त करने के अलावा, उत्पाद में जीवन बीमा घटक परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। ग्राहकों की आय की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए, यह उत्पाद तीन प्रकारों में उपलब्ध है, अर्थात तत्काल आय, बूस्टर के साथ तत्काल आय और विलंबित आय। 'तत्काल आय' प्रकार का विकल्प चुनने वाले ग्राहक पॉलिसी जारी होने की तारीख से 30 दिनों के बाद आय प्राप्त करना चुन सकते हैं, जिससे वे तुरंत आजीवन आय का एक पूरक स्रोत बना सकते हैं। जो ग्राहक ₹तत्काल आय बूस्टर के साथ₹ संस्करण खरीदते हैं, वे जीवन भर की आय के अलावा हर पांचवें पॉलिसी वर्ष में अतिरिक्त गारंटीकृत आय प्राप्त करते हैं, जो पॉलिसी जारी करने की तारीख से 30 दिनों के बाद शुरू होती है। 'अस्थगित आय' प्रकार में, ग्राहकों के पास अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार यह चुनने की छूट होती है कि वे कब आय शुरू करना चाहते हैं। ग्राहक दूसरे पॉलिसी वर्ष की शुरुआत में या 13वें पॉलिसी वर्ष के अंत तक आय प्राप्त करना शुरू कर सकते हैं। यह ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार आय प्राप्त करने की सुविधा देता है। इन लाभों के अलावा, आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड ग्राहकों को अपनी आय को नियमित भुगतान के रूप में प्राप्त करने के बजाय बचत वॉलेट में संचित करने का विकल्प प्रदान करता है। ग्राहक अपनी वित्तीय जरूरतों के आधार पर अपने सेविंग्स वॉलेट में जमा राशि को या तो आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से निकाल सकते हैं। प्रीमियम ऑफ़सेट विकल्प ग्राहकों को संचित कोष से अपने भविष्य के प्रीमियम का भुगतान करने में सक्षम बनाता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर अमित पलटा ने कहा कि बढ़ती महंगाई कई उपभोक्ताओं को अपने पेशे से प्राप्त आय के अलावा गारंटीकृत आय का एक अतिरिक्त स्रोत बनाने के लिए प्रेरित कर रही है। यह आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड को डिजाइन करने की उत्पत्ति थी। यह अभिनव दीर्घकालिक बचत उत्पाद ग्राहकों को बाजार के उतार-चढ़ाव से सुरक्षित आय का एक गारंटीकृत स्रोत प्रदान करता है। आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड को विशेष रूप से ग्राहकों को तरलता के मामले में लचीलापन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और उनकी आय की जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। इस उत्पाद के सभी तीन प्रकार, यानी तत्काल आय, बूस्टर और स्थगित आय के साथ तत्काल आय, ग्राहकों को जीवन बीमा के अलावा गारंटीकृत और बोनस-उन्मुख नियमित आय का संयोजन प्रदान करते हैं।

श्रीभगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय में किया गया अखिल भारतीय संस्कृत शोध सम्मेलन का आयोजन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। सम्मेलन का विषय संस्कृतसाहित्ये वसुधैव कुटुम्बकमिति विमर्शः था। जिसमें अतिथियों ने सम्पूर्ण वसुधा को एक परिवार के रूप में परिभाषित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति श्री दिनेश चन्द्र शास्त्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि वेद में यत्र विश्वं भवत्येकनीडम् कहा है। जिसका अर्थ है कि यह समस्त संसार एक घोंसले के रूप में है। वेद सर्वे भवन्तु सुखिनः की कामना कर समस्त वसुधा को परिवार बनाता है। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्यातिथि के रूप में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर वाचस्पति मिश्र महोदय ने कहा कि संस्कृत के विकास के बिना वसुधैव कुटुम्बकम् की कल्पना व्यर्थ है। उन्होंने अनेक संस्कृत व अंग्रेजी के शब्दों का सम्बन्ध दिखाकर यह स्पष्ट किया कि संस्कृत भाषा का मूल ही यह स्पष्ट करता है कि यह वसुन्धरा एक परिवार है। विशिष्टातिथि के रूप में देवप्रयागस्थ केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर पी. वी. सुब्रह्मण्यम् ने कहा कि संस्कृत के शास्त्रों का इदन्न मम वचन ही समस्त संसार के कल्याण की भावना व्यक्त कर समस्त विश्व को परिवार के एक सूत्र में इकट्ठा करता है।

सारस्वतातिथि जिला संघ संचालक श्री रोहिताश्व कुँवर ने कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल आधार ही वसुधैव कुटुम्बकम्है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में सर्वत्र समस्त धरा को परिवार माना है। उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा निदेशालय के निदेशक श्री एस. पी. खाली जी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि संस्कृत ज्ञान विज्ञान से सम्पन्न है। मेरा प्रयास है कि संस्कृत का उत्तराखंड में सतत विकास हो। उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा परिषद् के सचिव डा. वाजश्रवा आर्य ने कहा कि सम्मेलन में उपस्थित विद्वानों के व्याख्यानों का संयोजन कर परिषद् की बैठक में रखा जायेगा। जिससे पाठ्यक्रम में इसे शामिल किया जा सके। सम्मेलन में सान्निध्य के रूप में भगवान दास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के साहित्य विभाग के सहाचार्य श्रीनिरञ्जन मिश्र भी उपस्थित रहें। शोध सम्मेलन दो सत्रों में सम्पन्न हुआ।जिसमें लगभग 60 शोधपत्रों का वाचन हुआ।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, देवप्रयाग परिसर के आचार्य प्रोफेसर विजयपालप्रचेता महोदय ने की।विशिष्टातिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के ही शैक्षणिकवृत्त के निदेशक प्रोफेसर वनमाली विश्वाल महोदय व मुख्य वक्ता के रूप में डा. शैलेश कुमार तिवारी उपस्थित रहें। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता श्रीभगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य श्री भोला झा जी ने की। जिसमें डा. हरिगोपाल शास्त्री व डा. कुलदीप गौड़ मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहें।

कार्यक्रम के उद्घाटन में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ.व्रजेन्द्र कुमार के द्वारा स्वागतोद्बोधन प्रदान कर समागत सभी अतिथि महानुभावों का स्वागत किया गया। समापन सत्र में संस्कृत भारती के प्रान्त संघटन मन्त्री श्री गौरव ने कहा कि भविष्य संस्कृत का है।

संस्कृत के प्रचार प्रसार से ही वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का विस्तार होगा। सम्पूर्ति सत्र में शान्तिपाठ के साथ उक्त सम्मेलन का समापन हुआ।कार्यक्रम का सञ्चालन सहायकाचार्य डॉ रवीन्द्र कुमार के द्वारा किया गया।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक : विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906 : Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com